मिल कर षडयंत्र कर रही है । मुझे यह पक्का विश्वास है कि विपक्ष के कुछ लोग इसमें शामिल हुए है । मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश में जो पाकिस्तानी रह रहे है उनको जो वीसा दिया गया है उसमें विपक्ष के कौन से लोग सम्मिलित है ? मान्यवर, मेरे प्रश्न का बी पार्ट यह है कि क्या कुछ पाकिस्तानी जो मध्य प्रदेश में रह रहे है किसी कारण उनका वीजा एक्सपायर हो गया है.... (व्यवधान).... क्या कोई जांच करेंगे ? अगर जांच करेंगे तो मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहूगा कि सरकार इस पर क्या करने जा रही है ?

श्री बूटा सिंह : सभापति जी, माननीय सदस्य ने जो कहा है मैं उसके बारे में मध्य प्रदेश सरकार से पता करके सदन को सूचित करूंगा ।

श्री ओरजा इर्शादबेग : मान्यवर, इसकी जांच करवाई जाए क्योंकि यह बहुत गंभीर मामला है ।

श्री भंवर लाल पंवार : सभापति महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश में.... (व्यवधान) राजस्थान बार्डर से जो आजकल अवैध रूप से तस्करी हो रही है उन पाकिस्तानी घुसपैठ से जो बेनामी पासपोर्ट लेकर आ रहे है.... (व्यवधान) वहां राजस्थान बार्डर से कितने.... (व्यवधान) उनका आईडेंटिटी कार्ड बनने को जो प्रक्रिया है वह प्रक्रिया जारी है ? अगर जारी है तो कितने आई० कार्ड बन चुके है ?.... (व्यवधान) बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर में कितने आई० कार्ड सरकार ने बना दिए है और आगे कितने बनने जा रहे है, उसकी समयावधि कहां तक निश्चित की गई है ? .....(व्यवधान)

श्री बूटा सिंह : सभापति जी, जैसलमेर, बाड़मेर के इलाकों में पाकिस्तान सरकार द्वारा आई०कार्ड .... (व्यवधान) के माध्यम से चला रही है और कोशिश की जा रही है कि जैसलमेर के इलाके में पासपोर्ट जारी.... (व्यवधान) वहां यदि यह स्कीम कामयाब रहती है तो इस स्कीम को पंजाब और गुजरात में भी लागू किया जाएगा । (व्यवधान)

कुमारी सईदा खातून : माननीय अध्यक्ष महोदय, ...।

श्री बूटा सिंह : मुझे इनका सवाल सुनाई नहीं दिया है । ...(व्यवधान)

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : विपक्ष के ऐसे भी कुछ लोग हैं .... (व्यवधान) जो इनकी सहायता कर रहे हैं । क्या माननीय मंत्री महोदय को इसके बारे में जानकारी है ?

श्री बूटा सिंह : मध्य प्रदेश में ऐसे ... (व्यवधान) बहुत से लोगों का वीजा खत्म हो गया है । पर वह अभी भी यहां पर रह रहे हैं । जांच करने के बाद इनके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए राज्य सरकारों को लिखा जाएगा ।

डा. रत्नाकर पाण्डेय : आए दिन गुजरात में, अहमदाबाद और अन्य नगरों में ... (व्यवधान)

Work Bank Loan for Modernising Telecommunication Department

*312. SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Department of Telecommunication (DOT) has not been able to utilise a large portion of 345 million World Bank loan;

(b) whether it is also a fact that his Ministry proposes to reduce the Plan outlay of DOT on this account;

(c) if so, what are the details in this regard; and

(d) what are the reasons for not utilising the World Bank loan which

was meant for the purchase of sophisticated equipment by the DOT?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) to (c) It is expected that some amount out of the World Bank loan of $345 million for the 9th Telecom Project will remain unutilised. Methods for utilising the balance amount are under discussion with the Department of Telecommunications.

(d) Under-utilisation of the World Bank loan for this project is due to lower bid prices than originally estimated and the domestic procurement of certain items since developed indigenously.

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: Sir, is it a fact... (*Interruptions*) Sir, is it a fact that the Govenrment is going ahead with the setting up of a high-powered Telecom Commission to take charge of all the matters relating to telecomunications in the country? (*Interruptions*) Is it also a fact that the Department of Telecommunications has not been able to utilise the full amount of World Bank loan and had to surrender 72 million dollars out of 345 million dollars of World Bank loan?

(*Interruptions*)

SHRI EDUARDO FALEIRO: Sir, (*Interruptions*)

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: I would like to know whether the surrender of this huge amount has been due to lack of coordination between the D.O.T., D.O.E. and the Ministry of Finance.

(*Interruptions*)

SHRI EDUARDO FALEIRO: Sir, (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Floating of NRI Bonds by SBI

*301. SHRI PRAMOD MAHAJAN: SHRI SHANKER SINH VAGHELA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what are the financial results derived through the floating of NRI Bonds by the State Bank of India;

(b) how do these results compare with (i) the Foreign Currency Non-Resident Deposit Scheme and (ii) the Non-Resident Rupees Account Scheme; and

(c) whether the poor performance under the NRI Bond Scheme is due to the fact that these Bonds could not be repatriated in foreign currency, although the interest rate offered was higher by one per cent than that on three year FCNR Deposit Scheme; if so, what are the facts thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) Upto 8th March, 1989, a sum of US $87.613 million equivalent to Rs. 131.90 crores has been credited to the Reserve Bank of India Account with Federal Reserve Bank, New York.

(b) and (c) It would not be appropriate to compare NRI Bonds with FCNR and NRE Schemes as the latter have a totally different structure. In the light of criteria devised for the NRI Bonds Scheme namely its non-repatriable nature and a defined time-window for investment, the performance of the Scheme cannot be considered to be poor.

West German Development Aid

302. SHRI K. V. THANGKABALU: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether India will be a major recipient of West German Development Aid during 1989;